ANNUAL EXAM MARCH - 2023 IX HINDI ANSWER KEY

1. दीमकों का

2. यह गाडी <u>चलती थी</u> ।

3. **वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें ।**

* पक्षी देखता है ।
* पक्षी बैल गाडी को देखता है ।
* **<u>नौजवान</u>** पक्षी बैल गाडी को देखता है ।
* नौजवान पक्षी **<u>चलती हुई</u>** बैल गाडी को देखता है ।

4. वे + ने = उन्होंने

5. अभी उनके परिवार की परिस्थिति ठीक नहीं थी । अपने ज़िम्मेदार बेटे से विशेष ममता होने से माँ ने खुद भूखी रहकर ही कलाम को रोटी देती जा रही थीं । इसलिए भाई ने कहा कि कलाम को यह भी समझना होगा कि माँ ने खाना खाया है कि नहीं । यह भी उसकी ज़िम्मेदारी है ।

6. **कलाम की डायरी (माँ की प्यार समझने पर)**

तारीख : ……………….

आज का दिन मैं कभी भूल नहीं सकता । हम भाई-बहन खाने बैठे । माँ मुझे रोटी देती जा रही थी । मैं खा रहा था । बाद में पता चला कि वे रोटियाँ माँ के हिस्से के थे । यह जानकर मुझे सिहरन की अनुभूति हुई । मै अपने आपको रोक नहीं सका । दौडकर माँ के पास गया । भावावेश में उनसे लिपट गया । माँ से क्षमा माँगी । लेकिन माँ ने साँत्वना दी । सच है, यह ज़िम्मेदारी बेटा का कर्म नहीं है । ...

अथवा

स्थान : ……………….

तारीख : ……………….

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से, एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रहा हूँ ।

आज एक विशेष घटना हुई । हम भाई-बहन खाने बैठे । माँ मुझे रोटी देती जा रही थी । मैं खा रहा था । बाद में पता चला कि वे रोटियाँ माँ के हिस्से के थे । यह जानकर मुझे सिहरन की अनुभूति हुई । मै अपने आपको रोक नहीं सका । दौडकर माँ के पास गया । भावावेश में उनसे लिपट गया । माँ से क्षमा माँगी । लेकिन माँ ने साँत्वना दी । माँ सच में भगवान की सुंदर रचना है ।

वहाँ तुम्हारी पढाई कैसे चल रही है ? तुम कब यहाँ आओगे ? तुम्हारे परिवारवालों से मेरा प्रणाम कहना । जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम
पता ।

7. धीमी

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRI45

8. **पटकथा (बेबी जूते बनवाने केलिए मोची से मदद माँगने के प्रसंग)**

स्थान - बेबी के घर का कमरा ।

समय - शाम का समय ।

पात्र - 1. बेबी, 10 साल की लडकी, फ्रॉक पहनी है ।
2. हरीबा मोची, 40 साल का आदमी, कुर्ता और पतलून पहना है ।

घटना का विवरण - मोची को देखने पर बेबी उसे पास बुलाती है । दोनों आपस में बातें करने लगता है ।

संवाद -

बेबी - हरीबा, यहाँ आओ ।
मोची - क्या है बेटी ?
बेबी - यह लो पाँच रुपए । मुझे इसके जूते बना दो ।
मोची - बना दूँगा बेटी ! नाप ले लूँ ?
बेबी - अरे मेरे पैर का नहीं ।
मोची - फिर किस केलिए है बेटी ?
बेबी - वह मैं नहीं बता सकता । दो दिन के बाद आओ, मैं नाप दूँगी ।
मोची - ठीक है बेटी ।

(मोची चला जाता है । बेबी नाप देने के बारे में सोचती रहती है ।)

9. द्वेष को

10. चरण-चरण चल गृह कर उज्वल
गृह गृह की लक्ष्मी मुसकाओ

11. जवाहरलाल नेहरू ने

12. **सही प्रस्ताव**

(ख) धरती लाखों-करोडों वर्ष पुरानी है ।
(ग) आदमियों के पहले धरती पर सिर्फ जानवर थे ।
(घ) आज यह धरती हर तरह के जानवरों और आदमियों से भरी हुई है ।
(च) लाखों-करोडों वर्ष पहले धरती बेहद गर्म थी ।

13. **पोस्टर (संदेश) - प्रकृति को बचाएँ, जीवन बचाएँ**

प्रकृति को बचाएँ, जीवन बचाएँ

प्रकृति है तो हम भी है
इसकी रक्षा हमारी सुरक्षा ।

पर्यावरण प्रदूषण रोको
प्रकृति का संतुलन बनाए रखो ।

प्रकृति को संभालो ।
अपनी रक्षा पाओ ।

जुलाई 28, विश्व **प्रकृति संरक्षण दिवस**

पेड लगाओ ... हरियाली फैलाओ
प्रकृति संरक्षण हमारा कर्तव्य ।

-प्रकृति संरक्षण समिति, केरल

14. डैने

15. पानी की

16. सूखा (अकाल), जलस्रोतों का नाश, पर्यावरण प्रदूषण, वर्षा की कमी, शहरीकरण केलिए हो रही जंगल-पेडों की कटाई, टीलों को गिराना, आदि

17. **कवितांश का आशय (वे देर तक ---------- पत्तियों की गंध)**

प्रस्तुत पंक्तियाँ हिंदी के प्रसिद्ध कवि केदारनाथ सिंह की सुंदर कविता अकाल में सारस से ली गई हैं। इसमें पानी केलिए आए सारस पानी पिए बिना लौटने का चित्रण है।

कवि कहते हैं कि सुदूर प्रदेशों से पानी केलिए जलाशयों की तलाश में शहर में आए सारस बहुत देर तक वहाँ परिक्रमा करते रहे। लेकिन उन्हें कहीं से पानी नहीं मिला। परिक्रमा करने से उन्हें मालूम हो गया कि मकानें, कूडा-कचरे के अलावा शहर में कुछ भी नहीं था। यहाँ के सारे जलाशय व खेत सूख पडे थे। धान की पत्तियाँ पानी के बिना सूख गई थीं। इस कारण देर तक छतों और बारजों के ऊपर सारसों के डैनों से धान की सूखी पत्तियों की गंध झरती रही। जहाँ बारिश की बूँदें झरनी थीं वहाँ से धान की सूखी पत्तियों की गंध झरती थी।

पर्यावरण की सुरक्षा पर ध्यान नहीं देकर विनाश की ओर चलनेवाले मानव को प्रकृति की ओर आकर्षित करनेवाली यह कविता बिलकुल प्रासंगिक और अच्छी है। कविता में सरल भाषा का प्रयोग किया है।

18. **बातचीत - कलाम और माँ के बीच**

माँ - क्या हुआ बेटा, तू मुझे लिपटकर क्यों रो रहा है?
कलाम - आपकी हिस्से की रोटियाँ मुझे क्यों दीं?
माँ - तू पढाई के साथ कमाई भी करता है न? उसकेलिए तुझे ताकत तो चाहिए ...।
कलाम - आप भूखों मरतीं तो मैं कैसे खुश रहूँगा माँ?
माँ - कोई बात नहीं बेटा, मुझे भूख नहीं लगती।
कलाम - नहीं माँ मुझे पता है, आप झूठ बोल रही हैं।
माँ - नहीं बेटा, मैं सच ही कहती हूँ।
कलाम - आगे मैं आपको भूखी रहने न दूँगा। आज से माँ भी हमारे साथ बैठकर खाना खाएँगी।
माँ - ज़रूर बेटा। अब तुम रोना बंद करके अपना काम देख।
कलाम - ठीक है माँ।

अथवा

सही मिलान

कलाम का परिवार	- संयुक्त परिवार था।
श्री स्वामियार	- अद्वितीय गणित-शिक्षक थे।
कलाम पढाई और कमाई	- एक साथ करता था।
कलाम की माँ	- धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी।